

DPN

6605

Title: ~~हरिहरस्तोत्र~~ / HARIHARA STOTRA
(Together with "svasti sarvopama yegetyādi" prabasti)

Run. No. 7330

Cat. No.

Micro. No.

Subject Stotra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 9 x 19.5

Folios 7

Lines (in a page) irregular

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : yellow Both side ←

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / Smoke

Beginning, colophon, post-colophon :

संज्ञायां गणानां नृप ॥ वृत्तं यद्वादी गणानां कर्म इदं यत्तु
प्रविज्ञासं नृप ॥ गं देव तो लोक सिताय वरुण कृवादि ते भासति न
प्रसूत्र ॥ १ ॥ तन्मा मुखा वरुण रवि इत्यो मासता नृप
प्रतिपत्ति ॥ तन्मास विष्यति ते मासि सा कर्तुं नृप
सिद्धये कर्तुं नृप ॥ प्रवृत्तिं मित्रं ते वदसा त्रुवदरि
वृत्तं स मं प्रवृत्ति ॥ सासासा रवरि सा वा सा त्रुवदरि
वृत्तिं नृप वीरि वृत्तिं नृप जल स की दं ते नृप रित ॥ तत्ति नृप
सर्व पन्ना जे यत्तु नृप वृत्ति नृप नृप नृप नृप नृप नृप
नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप
नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप
नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप नृप

श्री गणेशाय नमः ॥ यो नो सं क पा ल नु तित क रौ मा ल रथि न्ना
 म्बु र्दे वौ दूरं वृत्ते स्म सान नित यो ना ग रिश
 वा नो मा दि शि तै वलि प को ज य म य नौ श्री सै ल जा न्त्र
 त्प मो पा पं मे हर तं सदा हरि हरो श्री वृ स त्रं गा न्द्रो ॥
 सा दि ता म ग मा गे न सा रोर व न मा र सा ॥ सा सा सा र
 स र्दे र स्थ वा चा सा र म दि प नि वा चा वि र ति तो ले न
 लु त्रि पं ते न दा री त ॥ स्व मि श्री स र्वे प मा ज य त्वा
 वि प क र्क ग न श रि ष्ठा ग न ज्ञे यं का र्क य ॥

वि अ नाम र स के का लि दि म ले ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥

5

0

5

0

CMS

5

10

15

20

श्री सकोपमा आनन्द्यादि सकल मुनेषु
 विष्णुसाम्यारस्य मन्त्रि ॥ सा सा सा र सु हि रं
 वा सा र म वि पति वा वा वि वलि तो जे
 न सु वि पति न सा वि त ॥ १ ॥ ये नौ सं
 क पाल भु वि त क र मा ला वि मा ला व ॥
 दे वो द र व ति स म सा न वि त ये ना वा रि जा ला
 नो ॥ १ ॥ वि वि कु व लि र क य ज्ञ म य ॥
 श्री से त जा म त र पा पं म ह र तं स ज ह रि
 द रौ श्री व स त्र ग ॥ १ ॥ स ह र तं स ज ह रि

[illegible]

0

5

0

CMS

5

10

15

20

Handwritten text in an ancient script, likely Coptic, on a dark brown, heavily worn and textured surface. The text is arranged in approximately five horizontal lines, though the lower portion is obscured by a large, irregular tear or fold in the material. The script is dark and appears to be incised or painted onto the surface. The overall condition of the object is poor, with significant discoloration and surface degradation.

5

0

5

0

सिरि महीना बलादा

हम मु... जाला... जाला...

यो बतौ संषक पाह चु विर फ ते मा ला स्थि पाला
 वरौ ॥ दे वी दु र... सम खा न वि लयो ना ज...
 रि जे वा स... वि वि का व ति प के ल गो म

थ ना श्री लै ल जो म ल मै पा वं मे द र तं स को
 रि म रो श्री... जे जा व तौ ॥ सा सा सा र स रि र
 सा वा की सा र म... प ति वा वा वि च लि ते य न सु
 प ते न दारि त ॥

CMS

5

10

15

20

मन्त्रादिगणितसंज्ञा व्र यः ३३५० इति ३३५०

४६

यतो संप्रकपाल भूषितकरो

नागोभातिमंदकं जलकहे पुरोहितासं करिसि न प्राप्तेन
नवेन तु यो नित्यं तस्मादेव मन्त्राणां कर्णान

